बोकारो के लिए चास कॉलेज, चास को परीक्षा केंद्र बनाया गया है.

ईंधन विज्ञान, नवाचार, स्थिरता एवं

बैंकिंग सुविधा पहुंचाने में बीसी की भूमिका अहम : क्षेत्रीय निदेशक

वित्तीय समावेशन शिविर में शामिल आरबीआइ के अधिकारी व अन्य.

प्रेम रंजन प्रसाद सिंह

मुख्य संवाददाता, धनबाद

निरसा प्रखंड के सासनबेड़िया पंचायत तथा बाघमारा प्रखंड के रंगुनी पंचायत में सोमवार को वित्तीय समावेशन एवं पुनः केवाईसी के लिए शिविर लगाया गया. इसमें भारतीय रिजर्व बैंक, झारखंड के क्षेत्रीय निदेशक प्रेम रंजन प्रसाद सिंह ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक विश्व के अन्य केंद्रीय बैंकों से कई मायनों में विशिष्ट है. यह मौद्रिक प्रबंधन, मुद्रास्फीति नियंत्रण, सुदृढ़ अर्थव्यवस्था एवं विकास के लिए आवश्यक ऋण प्रवाह सुनिश्चित करने, बैंकों व सरकार के बैंकर का कार्य, विदेशी मुद्रा निधि प्रबंधन आदि बुनियादी केंद्रीय बैंकिंग कार्यों के साथ-साथ देश और व्यापक जनहित में अनेक विकासात्मक दायित्व भी निरंतर निभाता रहता है. उन्होंने कहा कि वित्तीय शिक्षण, वित्तीय समावेशन तथा जन जागरण इन विकासात्मक कार्यों का महत्वपूर्ण हिस्सा है. इसे भारतीय रिजर्व बैंक पूरे वर्ष नियमित रूप से करता रहता है. बुनियादी बैंकिंग सुविधा को सभी तक पहुंचाने के प्रयास में बैंकिंग संवाददाता (बीसी) की भी अहम भूमिका रहती है. इसके माध्यम से बैंकिंग सुविधाओं को हम सुदूर इलाकों तक भी पहुंचा पा रहे हैं. इन प्रयासों से अधिक से अधिक संख्या में लोग बैंकिंग से जुड़ रहे हैं तथा विभिन्न योजनाओं जैसे प्रधान मंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधान मंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पेंशन योजना इत्यादि का लाभ ले रहे हैं. प्रदेश में 49004 बैंकिंग संवाददाता (बीसी) कार्यरत हैं. इनसे प्रतिभागी बैंकिंग सुविधाओं का लाभ ले सकते हैं. उन्होंने बैंकिंग संवाददाताओं को भी तत्परता से अधिकाधिक ग्राहकों को बैंकिंग सेवाओं से जोड़ने व पुनः केवाईसी प्रक्रिया में अहम भागीदारी कर इसे शीघ्र पूरा करने का अनुरोध किया. उन्होंने यह भी बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा ग्राहकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पुनः केवाईसी प्रक्रिया के लिए सरलीकृत केवाईसी फॉर्म भी उपलब्ध कराया है. इसका उपयोग पात्र प्रतिभागियों द्वारा किया जा सकता है.